



► वर्ष 72 ► अंक 259 ► पृष्ठ 12
रीवा, मंगलवार 17 जून, 2025
► आषाढ़ कृष्ण पक्ष 06, विक्रम संवत् 2082
► नगर ► मूल्य 5 रुपए ■

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

“
कोई भी काम हमेशा
असंभव लगता है, जब
तक कि वह पूरा न हो
जाए।
-नेल्सन मॉला

संक्षिप्त खबरें

जनगणना की अधिसूचना जारी

2027 में दो चरणों में होगी देश की जनगणना नई दिल्ली, जैएनएन। भारत सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना 2027 के आवोजन की औपचारिक घोषणा करते हुए गजट काइसिन बड़ी जारी कर रहा है। यह जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोविड-19 25 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था। अब 1881 से शुरू हुई जनगणनाओं की 16वीं कड़ी में स्वतंत्रता के बाद हफ्ते बार जाति आधारित गणना आमिल की जाएगी। यह प्रक्रिया डिजिटल मध्यांश से की जाएगी, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग होगा। जनगणना 2027 में दो चरणों में कार्ड जारी होगी। पहले चरण में हाउस लिस्टिंग और प्रेशन होगा। इसके बाद चरणों की आवासीय स्थिति, संपर्क, सुविधाएं और संसाधनों की जानकारी जटाई जाएगी। वहीं दूसरे चरण में जनसंख्या गणना होगी। इसके बाद व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय विवरणों को दर्ज किया जाएगा। जनगणना के संदर्भ में विधि 1 मार्च 2027 की मध्यांतरि रखी गई है, जबकि लदाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के बफेंट इतारों में ही 1 अक्टूबर 2026 होगी। इसके बाद लगभग 34 लाख गणनार्थी और पर्यावरणीक और 1.3 लाख जनगणना अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे।

कोरोना: प्रदेश में चौथी मौत

लगातार दूसरे दिन एक्टिव केस में गिरावट

जागरण, जबलपुर। देश में कोविड संक्रमण को लेकर फिलहाल राहत की खबर है। देश में लगातार दूसरे दिन कोरोना के सक्रिय मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं प्रियावार कक्ष की ओर से जारी कर्तव्यांश की ओर से अनुसार, सोमवार को कर्तव्यांश मामलों की संख्या घटकर 7,264 रह गई है। बीते 24 घंटों में 119 एक्टिव केस कम हुए हैं, जो स्थिति में सुधार का संकेत है। हालांकि प्रदेश में कोविड की पहली बैठक दिल्ली में सोमवारों को हुई थी वह सचिव की अध्यक्षता में यह समिति भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मानक संचालन प्राक्रियाएं तैयार करने के लिए गठित की गई है। समिति ने गठित की पहली बैठक की पहली बैठक दिल्ली में सोमवार की हुई थी वह सचिव की अध्यक्षता में यह समिति भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मानक संचालन प्राक्रियाएं तैयार करने के लिए गठित की गई है। इसके बाद उसकी मौत हो गई है। इसके पहले भी इस दूसरे दिन और कोरोना पॉजिटिव महिलाओं की मौत हो चुकी है। मंडला निवासी महिला को डिल्लीवारी के लिए जबलपुर के मेडिकल कालेज में रोक किया गया था।

अहमदाबाद, जैएनएन। विमान हावस की जांच के लिए केंद्र सरकार की ओर से गठित उच्च स्तरीय समिति की पहली बैठक दिल्ली में सोमवार को हुई थी वह सचिव की अध्यक्षता में यह समिति भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए गठित की गई है। समिति ने गठित की पहली बैठक की पहली बैठक दिल्ली में सोमवारों को हुई थी वह सचिव की अध्यक्षता में यह समिति एक समग्र और नेतृत्व-आधारित समाधान तैयार करेगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। नागरिक उद्योग मंत्री के राममोहन बहुमूल ने शनिवार को कहा था कि एकाईवारी तकनीकी फूलओं की जांच करेगा, जबकि गृह सचिव की अध्यक्षता वाली समिति भविष्य की सुरक्षा नीतियों और प्रक्रियाओं को लेकर सुझाव देगी।

रिसर्च | 9 से 15 साल की उम्र के 11 हजार किशोरों पर किया गया अध्ययन

नई दिल्ली/ब्रैंडइ, जैएनएन। नींद की अहमियत को लेकर पुरानी कहावतें अब वैज्ञानिक शोधों से भी पूछ हो रही हैं। 'नेचर मेडिसिन' में प्रकाशित एक नये वैश्वक अध्ययन के अनुसार, किशोरों में नींद की खराबी - यानी दो नींद न आना, बार-बार नींद टूटना या पर्याप्त नींद न ले पाना, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है। यह अध्ययन अमेरिका की द्युकू यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकोंने किया है और वह एडलोल्पेंट ब्रेन एंड नियन्टिव डेवलपमेंट (एवीसीडी) प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसमें 11,000 से अधिक किशोरों के 9 से 15 वर्ष की उम्र के बीच टैक किया गया, जिनमें से लगभग 48 प्रिसिद्धी लड़कियाँ थीं। रिसर्च में यह चाँकने वाला नियर्क विकासने में नींद से जुड़ी समस्याएं, परिवारिक मानसिक रोग इतिहास या बचपन के आशाओं से कहीं ■ शेष पृष्ठ 7 पर

कम नींद से बढ़ता है मानसिक बीमारी का खतरा

विशेषज्ञों की चेतावनी: पहले नींद सुधारिए, फिर दवाइयां सोचिए

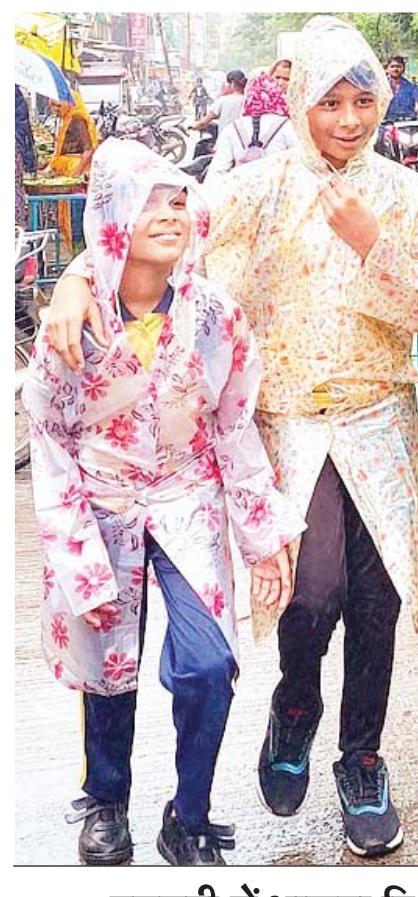
मंडबैंड के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. रेडी फिलिप्स का कहा है, 'मन कम बार लक्षणों पर ध्यान देते हैं, मूल कारण को अनदेखा कर देते हैं। किशोरों में नींद की खराबी को फिर सारात माना बड़ी भूल है। यह गंभीर मानसिक संकट की शुरूआत हो सकती है।' वहीं कार्डिनिंग मनोवैज्ञानिक रमण श्रीवास्तव इसे 'मन का तापमान' बताते हैं। 'जैसे बुखार किसी संक्रमण का पहला संकेत होता है, वैसे ही नींद की समस्या मन के भीतर चल रहे संघर्ष का शुरूआती इशारा हो सकती है।' हालांकि स्टडी यह नहीं कहती कि नींद की खराबी सीधे तौर पर मानसिक बीमारी की वजह है। लेकिन इस संबंध को नकार नहीं जा सकता। यही वजह है कि विशेषज्ञ अब नींद को मानसिक मूल्यांकन के मानक प्रश्नों में शामिल करने की मांग कर रहे हैं।



मरीन लर्निंग से की गई सटीक भविष्यवाणी

अध्ययन में मरीन लर्निंग एलोरिदम का इस्तेमाल कर यह आकलन किया गया कि किस किशोर में आगे चलकर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विकसित हो सकती हैं। परिणाम स्पष्ट थे। जिन बच्चों में लगातार नींद संबंधी गड़बड़ी रही, नींद डिप्रेशन, एंजायटी, व्यवहार संबंधी विकासी को आशंका कई गुना अधिक थी।

■ शेष पृष्ठ 7 पर



बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन और बड़वानी में बारिश, 25 जून तक सभी जिले होंगे तरबतर, 15 अक्टूबर तक चलेगा बारिश का दौर

बड़वानी के रास्ते आया मानसून

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में बड़वानी के रास्ते मानसून ने दस्तक दे दी है। सोमवार व आस पास की जिलों में तेज गर्मी से लोग बैठने थे, उस वक्त बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन और बड़वानी में मानसून गहर की बारिश कर रहा था। मौसम केंद्र भोपाल ने मानसून के अंतर्से बड़वानी की पुष्टि की है। कुछ दिनों में इसके प्रदेश के अन्य जिलों में बहुचंडे की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार 25 जून तक मानसून प्रदेश के सभी जिलों में आम दे देगा। पिछले साल मानसून 21 जून की आया था। प्रदेश में मानसून की विधि 101-102 प्रतिशत है। मानसून की प्रतिशत अब तेज हो गई है, और अगले 24-48 घंटों में नरसिंहपुर और डिलोरी जैसे जिलों में 2.5 से 4 इंच तक भारी बारिश की संभावना है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और वालियर जैसे प्रमुख शहरों में भी 17-22 जून तक मानसून

2025 में अनुमान

104 से 106% बारिश की संभावना इस साल

प्रदेश में सितंबर के बीच

38 से 39 इंच के आसपास होगी

4 से 6 अधिक है यह सामान्य से

क्षेत्रवार अनुमान

जबलपुर और शहडोल संभाग में सर्वों अधिक बारिश, 104-106 प्रतिशत तक।

भोपाल, इंदौर, उज्जैन, व्यालियर, चंबल, नरसिंहपुर में 101-102 प्रतिशत या उससे अधिक।

रोवा, सागर, शहडोल में 98-99 प्रतिशत, सामान्य से थोड़ा कम।

अच्छी बारिश की उम्मीद, क्योंकि....

► एल-नीना और इंडियन ओरियन ड्रापोल की सामान्य स्थिति

► हिमालय और यूरोपिया में कम वर्षबारी भी है अनुकूल

पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। हालांकि, यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद व्यालियर-चंबल संभाग में सबसे अधिकी विधि 30% में पहुंचेगा।

यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। सामान्यतः प्रदेश से मानसून की विदाई अक्टूबर के मध्य तक होती है।

प्रदेश में सामान्य औसत बारिश 949 मिमी (37.3 इंच) है। पिछले 6 साल से मानसून की आया था उससे अधिक बारिश हो रही है, और 2025 में भी 15 अक्टूबर को विदा हो रही है।

यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है।

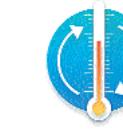
सामान्यतः प्रदेश से मानसून की विदाई अक्टूबर के मध्य तक होती है।

2024 में यह 7 अक्टूबर को विदा हो गया था।

मानसून की आया जारी रहने की उम्मीद है।

अक्टूबर को विदा हो रही है।

यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद ह



जंगल में दो बाघों ने पर्यटकों की रोकी जिस्ती

जागरण पर्यटन

संजय टाईगर रिजर्व के पौड़ी एंज में दिखा रोमांच पर्यटक ने बाघों का किया बीड़ियों वायरल

जागरण, सीधी



रेजे के जंगल में सफारी पर निकले पर्यटकों की जिस्ती दो बाघों के सामने आ गई। बाघर बीड़ियों में साफ देखा जा सकता है कि पर्यटकों की जिस्ती जंगल के कच्चे रसेट पर चल रही थी तभी बाघ दी-28 और बाघ दी-17 उनके सामने आकर रासायां लेते हैं। करीब आधे घंटे तक दोनों बाघ पर्यटकों के सामने संभव गति से टलते रहे। इस दौरान न तो बाघों की जिस्ती पर काई भारतीय में वायरल करते हुए कहा गया है कि अचारायी आगे-पीछे चलते हुए दो बाघ जिस्ती के सामने आ गए। जिसके चलते सांसे रोककर सभी पर्यटक बाघों के बहां से गुजरने का इंतजार करते रहे। रिवायत को दोपहर करीब 12 बजे पौंडी

संजय टाईगर रिजर्व में बाघों का बढ़ रहा कुनवा

संजय टाईगर रिजर्व सीधी में बाघों का कुनवा जेजी के साथ बढ़ रहा है। विभागीय अधिकारियों का कृनवा है कि संजय टाईगर रिजर्व का दुबरी अभ्यासण्ड बाघों का परसंदीदा रहवास है। दुबरी बाघों के क्षेत्रों पर चल रही थी तभी बाघ दी-28 और बाघ दी-17 उनके सामने आकर रासायां लेते हैं। करीब आधे घंटे तक दोनों बाघ पर्यटकों के सामने संभव गति से टलते रहे। इस दौरान न तो बाघों की जिस्ती पर काई भारतीय में वायरल करते हुए कहा गया है कि अचारायी आगे-पीछे चलते हुए दो बाघ जिस्ती के सामने आ गए। जिसके चलते सांसे रोककर सभी पर्यटक बाघों के बहां से गुजरने का इंतजार करते रहे। एक पर्यटक ने रोमांच के बीड़ियों के साथ एंज में बाघर रोमांच से उस समय सामना हुआ जब दो बाघ सामने आ गए। बाघों के सामने आते ही पर्यटकों की जिस्ती बाहर पर बैक लग गए। जिसी में सवार सभी पर्यटक इस अद्भुत रोमांच के सामने आने पर सांस रोकते हुए बाघों के हटने का इंतजार करते रहे। एक पर्यटक ने रोमांच के बीड़ियों के साथ सभी पर्यटक इस अद्भुत रोमांच के सामने आने पर सांस रोकते हुए बाघों के हटने का इंतजार करते रहे। एक पर्यटक ने रोमांच के बीड़ियों में वायरल करते हुए कहा गया है कि अचारायी आगे-पीछे चलते हुए दो बाघ जिस्ती के सामने आ गए। जिसके चलते सांसे रोककर सभी पर्यटक बाघों के बहां से गुजरने का इंतजार करते रहे। रिवायत को दोपहर करीब 12 बजे पौंडी

संजय टाईगर रिजर्व में पर्यटकों की जिस्ती के सामने दो बाघ सामने आए गए। गर्मियों में अक्सर

बदलाव खुले दोनों में ऊब तक लाता लाता मिलती है। अंजी भी सफेद बाघ मोहर के लातने का इंतजार किया जा रहा है। दोनों लातों का कृनवा है कि फिर से वापस लौटने का इंतजार है। सफेद बाघ को ऊब वाहा लाता जाता है तो उसका बंधा हाथ काफी लंबी की साथ बंधता। बाघों के लिए संजय टाईगर रिजर्व को सुरक्षित अशियाना पदान करने के लिए संजय टाईगर रिजर्व आमता भी पूरी तरह से मुश्तक है।

कि संजय टाईगर रिजर्व के दुबरी एवं

आने वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है। इसी वजह से यहां

उनके सामने आ गए। संजय टाईगर रिजर्व के दुबरी एवं

आने वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

अंजी वाले पर्यटकों को काफी आसानी

के जंगल में बाघ स्वच्छ द

विचरण करते हैं। वर्तमान में बाघों का

कृनवा तेजी के साथ संजय टाईगर

रिजर्व में बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य परामर्श शिविर में 27 लोगों की हुई जांच



जागरण, सीधी। ज्योत्सना जन कल्याण स्वास्थ्य समिति एवं मिश्रा संसद ने द्वितीय वार्षिक राष्ट्रीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रत्येक विचारक के प्रमुख छात्रालय, बस स्टैण्ड, बाजार, भवानी मन्दिर, हारियांग बोर्ड कालोनी, पुलिस ग्राउण्ड, रुफिलिंग स्टेशन पड़ीनगरा, मड़िर

